कृषि विज्ञान केंद्र, चिन्यालीसौड़ में विश्व दुग्ध दिवस का आयोजन

दिनांक 1 जून 2021 को विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद) के उत्तरकाशी जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में विश्व दुग्ध दिवस का आयोजन आनलाइन मोड में किया गया |

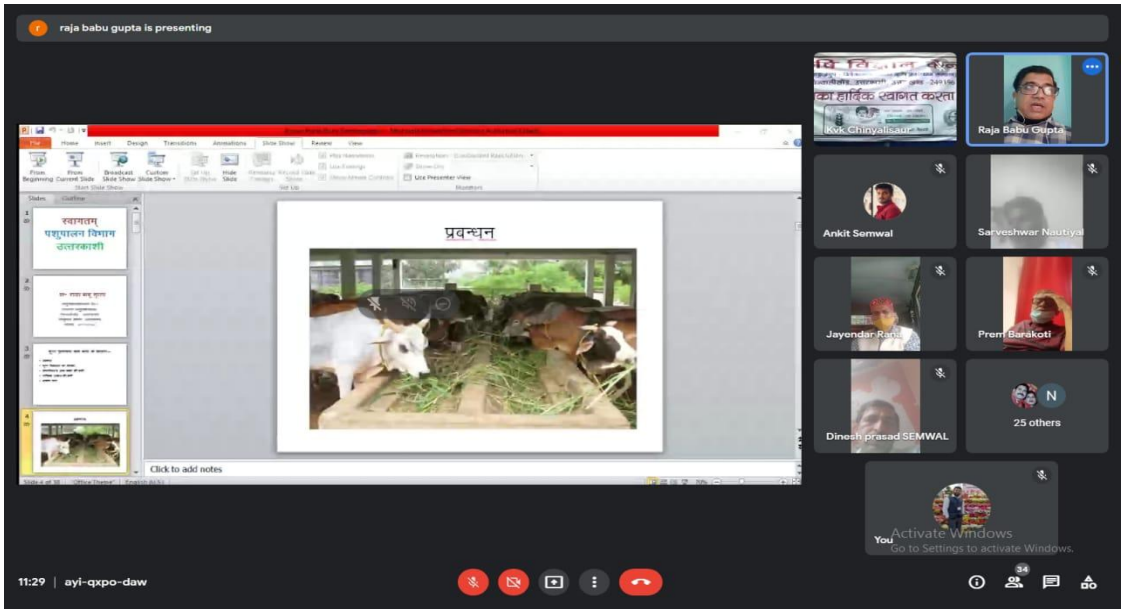

कार्यक्रम की शुरुआत केन्द्र के प्रधान वैज्ञानक एवं अध्यक्ष डॉ चित्रांगद सिंह राघव द्वारा विश्व दुग्ध दिवस को मनाये जाने के कारण एवं इसकी महत्ता को बताने के साथ की गयी जिसमें उन्होनें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और मानव स्वास्थ्य में दूध की भूमिका पर एक प्रेरक व्याख्यान भी दिया | कार्यक्रम में जुड़े समस्त कृषकों को संबोधित करते हुए उन्होनें कृषकों एवं पशुपालकों को बताया कि विश्व दुग्ध दिवस पहली बार 2001 में पूरे विश्व में मनाया गया और इस आयोजन में कई देशों ने भाग लिया | संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य और कृषि संगठन ने वर्ष 2001 में 1 जून को विश्व दुग्ध दिवस के रूप में चुना, जो कि डेयरी क्षेत्र में स्थिरता, आर्थिक विकास, आजीविका और पोषण में योगदान को सुनिश्चित करता है साथ ही उन्होनें बताया कि दुग्ध की बढ़ती मांग को देखते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में युवा पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को एक उद्यम के रूप में अपनाकर इसे आय अर्जन का एक साधन बना सकते हैं | कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित वरिष्ठ पशुचिकित्साधिकारी डॉ राजा बाबू गुप्ता द्वारा पशुओं की देखरेख, आवास एवं आहार तथा पशु स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया गया | उन्होनें बताया कि दूध में कई बहुमूल्य पोषक तत्व होते हैं जों कि मानव स्वास्थ्य के लिए काफी लाभप्रद है | इसका सेवन न केवल बढ़ते बच्चों बल्कि सभी आयु वर्ग के लोगों द्वारा किया जाता है| यह हमारे दैनिक आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है |दूध कैल्शियम, प्रोटीन और फैट इत्यादि का एक समृद्ध स्रोत है जों कि मुख्य रूप से हमें गायों, भैंसों, भेड़, बकरी और ऊंट जैसे अन्य जानवरों के दूध से मिलता है |

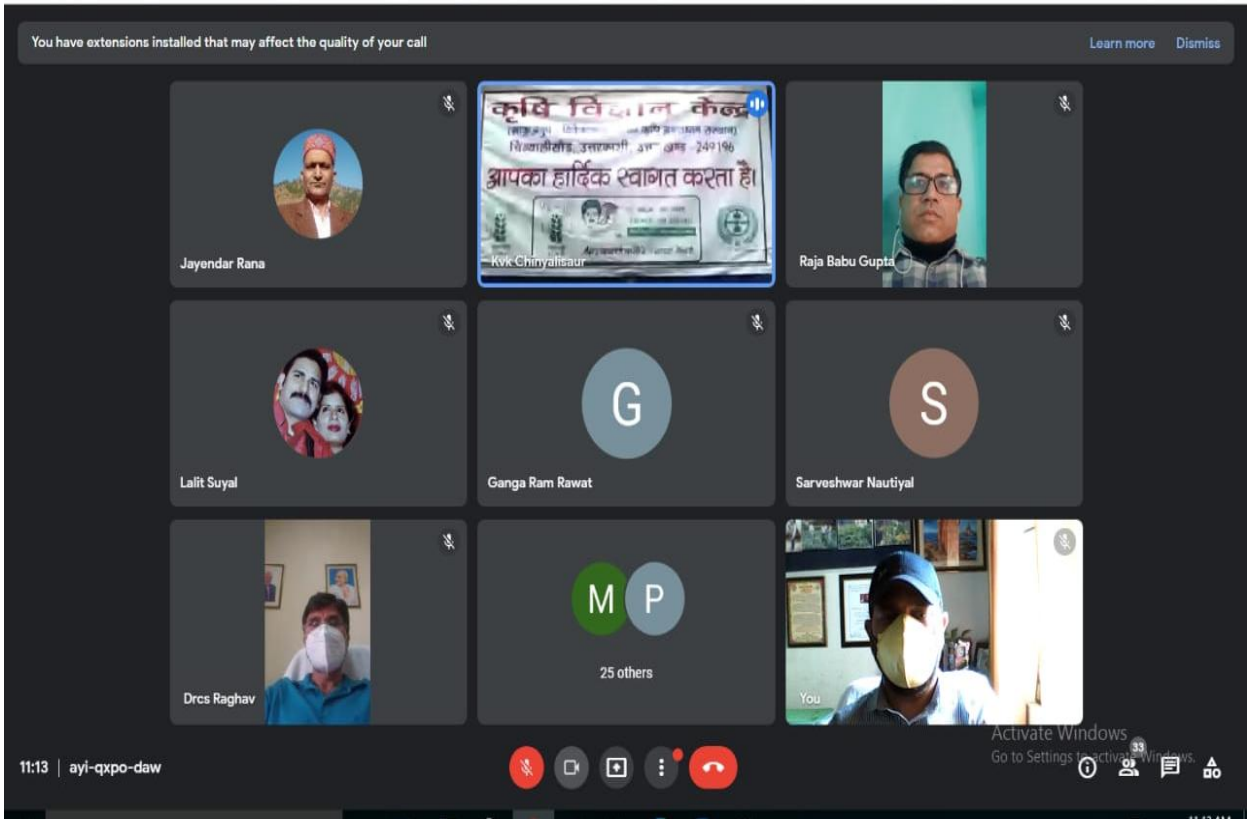

कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ, कृषि प्रसार डॉ गौरव पपनै द्वारा किया गया | इस दौरान बैठक में केंद्र के डॉ पंकज नौटियाल, नीरज जोशी, रोहिणी खोब्रागडे , वरुण सुप्याल, ख्याली राम, रीतिका भास्कर समेत क्षेत्र के कई प्रगतिशील कृषक मौजूद रहे |